संचालनालय चिकित्सा शिक्षा

पुराना नर्सेस हॉस्टल, डी०के०एस० भवन परिसर रायपुर, छत्तीसगढ़

क्रमांक / 7023 – A / छात्र / संचिशि / 2019 रायपुर, दिनांक : 29 जून 2019

सूचना

(प्रथम ऑन–लाईन NRI काउंसिलिंग आबंटन प्रवेश प्रक्रिया एवं द्वितीय काउंसिलिंग प्रक्रिया बाबत्)

आज दिनांक 29 जून 2019 को छत्तीसगढ़ राज्य के निजी ~~दंत~~ चिकित्सा महाविद्यालय अप्रवासी भारतीय (NRI) नियतांश की स्नातक सीटों का प्रथम ऑन–लाईन काउंसिलिंग आबंटन सूची जारी की गई, सभी आबंटित अभ्यर्थी प्रवेश नियम 2018 का नियम 7 का उप–नियम (x) का अध्ययन कर ही स्क्रूटनी एवं प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ करें। बिना पंजीयन शुल्क जमा किये कोई भी अभ्यर्थी द्वितीय काउंसिलिंग में सम्मिलित नहीं हो सकेगा।

जिन अभ्यर्थियों को NRI आबंटन प्राप्त हुआ है, वे स्क्रूटनी कराकर पात्र होने पर ही NRI के द्वितीय काउंसिलिंग में सम्मिलित हो सकेंगे। स्क्रूटनी नहीं कराने वाले अभ्यर्थी या स्क्रूटनी में अपात्र पाये जाने वाले अभ्यर्थी आगामी NRI काउंसिलिंग हेतु अपात्र हो जायेंगे।

NRI आबंटन में प्रवेश लेने वाले अभ्यर्थी वांछित पंजीयन शुल्क जमाकर द्वितीय NRI काउंसिलिंग में सम्मिलित हो, अपग्रेडशन (Upgradation) प्राप्त कर सकेंगे।

ऐसे अभ्यर्थी जिन्हें आबंटन प्राप्त नहीं हुआ है, वे भी पंजीयन शुल्क जमा कर ही NRI द्वितीय काउंसिलिंग में सम्मिलित हो सकेंगे।

पंजीयन शुल्क :– *यह राशि वापसी योग्य (Refundable) है, किन्तु द्वितीय काउंसिलिंग में आबंटन उपरान्त प्रवेश नहीं लेते है, तथा प्रवेश लेकर सीट त्यागते है तो, यह राशि राजसात (Forfeit) कर ली जायेगी* *(देखें पूर्व सूचना : भारत का राजपत्र असाधारण भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् संशोधन अधिसूचना नई दिल्ली, 18 मई, 2018 सं.भा.आ.प.–34(41) /2018–मेड/109835 के नियम 5 की तालिका क्रमांक–4)*

श्रेणी	निजी महाविद्यालय हेतु पंजीयन राशि
UR/SC/ST/OBC	100000/– (रू. एक लाख मात्र)

पंजीयन शुल्क जमा करने की **प्रारंभ तिथि 02 जुलाई 2019** समय 00:00 Hrs. से **अंतिम तिथि 07 जुलाई 2019** समय 23:59 Hrs. तक।

उपरोक्तानुसार पात्र अभ्यर्थी पंजीयन शुल्क जमा कर तथा पुनः संस्था चयन **(पूर्व में दिये गये संस्था चयन शून्य हो जायेंगे)** करना होगा। पंजीयन शुल्क जमा करने वाले अभ्यर्थी ही, पंजीयन शुल्क अनुसार निजी संस्था NRI कोटा में आबंटन के पात्र होंगे। जिस हेतु पंजीयन शुल्क जमा करने वाले अभ्यर्थियों की पुनः प्रभावी प्रावीण्य सूची जारी की जायेगी।

क्रमशः....2......

आबंटित अभ्यर्थियों के लिए निम्नानुसार अधोलिखित तिथियों में स्क्रूटनी एवं प्रवेश की कार्यवाही पूर्ण करें तथा सदैव प्रवेश की अंतिम तिथि के पूर्व ही उपस्थित हो कर, कार्यवाही पूर्ण करना एक सुरक्षित प्रक्रिया है।

प्रवेश हेतु दिनांक जानकारी :–

क्र.	विवरण	दिनांक
1	स्क्रूटनी (आबंटन पत्र में उल्लेखित स्क्रूटनी स्थल पर)	01 जुलाई 2019 से 04 जुलाई 2019 तक (समय प्रातः 11 बजे से संध्या 4:30 बजे तक)
2	प्रवेश (आबंटन पत्र में आबंटित संस्था के स्थल पर)	01 जुलाई 2019 से 05 जुलाई 2019 तक (समय प्रातः 11 बजे से संध्या 4:30 बजे तक)

नोट :–
1. केवल पूर्व ऑन–लाईन आवेदन किये हुए, पात्र अभ्यर्थी ही पंजीयन शुल्क जमा कर द्वितीय काउंसिलिंग में सम्मिलित हो सकेंगे। **नया ऑन–लाईन आवेदन स्वीकार्य नहीं है।**
2. काउंसिलिंग, आबंटन इत्यादि से संबंधित जानकारी हेतु वेबसाईट **www.cgdme.co.in** का नियमित अवलोकन करें।
3. सभी निजी चिकित्सा महाविद्यालय एवं निजी दंत चिकित्सा महाविद्यालय का आबंटन संचालक चिकित्सा शिक्षा द्वारा गठित समिति द्वारा किया जायेगा। **अतः किसी व्यक्ति/संस्था के धोखे में नहीं फंसे।**

(Dr. J Tiwari)
कृते अध्यक्ष,
काउंसिलिंग समिति
संचालनालय चिकित्सा शिक्षा,
छत्तीसगढ़

NRI Quota First Allotment List of C.G. State Private Medical College

Dated : 29 JUNE 2019

Allotment No.	NEET Roll No	Name	Gender	CG Domicile	Cat.	CG Cat. Rank	NEET Rank	NEET Score	CG UR Rank	Alloted Institute	Alloted Cat.	Pref No.
NRI A 1	390507401	KHUSHNUMA PARVEEN	Female	Yes	OBC	OBC 447	121968	407	2003	Raipur Institute of Medical Sciences,Raipur(Private)	NRI UR-Female	1
NRI A 2	170201672	AKHILESH BARIK	Male	Yes	OBC	OBC 474	130405	398	2105	Bhilai Shri Shankaracharya Institute of Medical Science(Private)	NRI UR-NC	1
NRI A 3	170303729	KAYNAAT FATIMA	Female	Yes	UR		150275	380	2315	Bhilai Shri Shankaracharya Institute of Medical Science(Private)	NRI UR-Female	1
NRI A 4	200135302	ROHAN KUMAR SINGH	Male	No	UR		153204	377	2339	Raipur Institute of Medical Sciences,Raipur(Private)	NRI UR-NC	1
NRI A 5	200108934	PALAK	Female	No	UR		164102	368	2458	Bhilai Shri Shankaracharya Institute of Medical Science(Private)	NRI UR-Female	1
NRI A 6	311118824	KRITI MISHRA	Female	No	UR		174126	359	2555	Bhilai Shri Shankaracharya Institute of Medical Science(Private)	NRI UR-Female	1
NRI A 7	170303982	SAMRIDDHI KHARE	Female	Yes	UR		178425	356	2587	Bhilai Shri Shankaracharya Institute of Medical Science(Private)	NRI UR-NC	6
NRI A 8	390516093	ABHISURYA SINGH	Female	No	UR		179663	355	2603	Bhilai Shri Shankaracharya Institute of Medical Science(Private)	NRI UR-NC	1
NRI A 9	300304142	SIMRAN JAIN	Female	No	UR		181380	354	2618	Raipur Institute of Medical Sciences,Raipur(Private)	NRI UR-Female	1
NRI A 10	170202242	ADITI TIWARI	Female	Yes	UR		190812	346	2703	Bhilai Shri Shankaracharya Institute of Medical Science(Private)	NRI UR-NC	1
NRI A 11	150221572	NILANJALI GAUTAM	Female	No	UR		198049	341	2778	Raipur Institute of Medical Sciences,Raipur(Private)	NRI UR-Female	1
NRI A 12	311115992	AARYAA SAWARBANDHE	Female	No	UR		213314	330	2914	Raipur Institute of Medical Sciences,Raipur(Private)	NRI UR-NC	1
NRI A 13	440106216	MIHIR KHANDELWAL	Male	No	UR		213373	330	2915	Raipur Institute of Medical Sciences,Raipur(Private)	NRI UR-NC	1
NRI A 14	390305340	AVI GULABANI	Male	Yes	UR		215960	328	2933	Raipur Institute of Medical Sciences,Raipur(Private)	NRI UR-NC	2
NRI A 15	300104095	RIMSHA ALI	Female	No	UR		233851	315	3075	Bhilai Shri Shankaracharya Institute of Medical Science(Private)	NRI UR-NC	1
NRI A 16	170312077	DOMAN CHANDRAKAR	Male	Yes	OBC	OBC 664	243392	309	3148	Raipur Institute of Medical Sciences,Raipur(Private)	NRI UR-NC	1
NRI A 17	300105700	MRINAL SHARMA	Female	Yes	UR		244004	309	3151	Bhilai Shri Shankaracharya Institute of Medical Science(Private)	NRI UR-NC	2
NRI A 18	390601982	MITUL PANCHAL	Male	No	UR		248253	306	3189	Bhilai Shri Shankaracharya Institute of Medical Science(Private)	NRI UR-NC	1
NRI A 19	170301214	ROSHAN JAIN	Male	Yes	OBC	OBC 677	253214	303	3230	Bhilai Shri Shankaracharya Institute of Medical Science(Private)	NRI OBC-NC	6
NRI A 20	170200394	SAKSHI TOPPO	Female	Yes	ST	ST 199	263991	296	3307	Bhilai Shri Shankaracharya Institute of Medical Science(Private)	NRI ST-Female	6
NRI A 21	360502415	ADYASHA PANI	Female	No	UR		268521	293	3333	Raipur Institute of Medical Sciences,Raipur(Private)	NRI UR-NC	2
NRI A 22	170304282	PIYUSH JAISWAL	Male	Yes	OBC	OBC 701	280506	286	3413	Bhilai Shri Shankaracharya Institute of Medical Science(Private)	NRI OBC-NC	1

Note:- Last date of Scrutiny is 04 July 2019 and Last date of Admission is 05 July 2019 **(See Notice)**

NRI Quota First Allotment List of C.G. State Private Medical College

Dated : 29 JUNE 2019

Allotment No.	NEET Roll No	Name	Gender	CG Domicile	Cat.	CG Cat. Rank	NEET Rank	NEET Score	CG UR Rank	Alloted Institute	Alloted Cat.	Pref No.
NRI A 23	**311105039**	RATHI SIDDHANT SUSHILJI	Male	No	UR		**281346**	286	**3421**	**Raipur Institute of Medical Sciences,Raipur(Private)**	**NRI UR-NC**	2
NRI A 24	**170305201**	MANYA SONKAR	Female	Yes	OBC	OBC 727	**317232**	266	**3642**	**Bhilai Shri Shankaracharya Institute of Medical Science(Private)**	**NRI OBC-NC**	6
NRI A 25	**150242985**	NAMRATA SWARNKAR	Female	Yes	OBC	OBC 738	**330944**	259	**3732**	**Raipur Institute of Medical Sciences,Raipur(Private)**	**NRI OBC-NC**	1
NRI A 26	**170208078**	SAMEER KASHYAP	Male	Yes	OBC	OBC 749	**349313**	250	**3836**	**Raipur Institute of Medical Sciences,Raipur(Private)**	**NRI OBC-NC**	1
NRI A 27	**440403445**	SALAMUDDIN SHEKH	Male	Yes	OBC	OBC 768	**376873**	237	**3979**	**Raipur Institute of Medical Sciences,Raipur(Private)**	**NRI OBC-NC**	1

Note:- Last date of Scrutiny is 04 July 2019 and Last date of Admission is 05 July 2019 **(See Notice)**

चिकित्सा स्नातक (MBBS) पाठ्यक्रम वर्ष 2019

N.R.I. स्क्रूटनी फार्म

आवेदक का नाम :– ....

नीट मेरिट नं. .... नीट प्राप्तांक .... श्रेणी :– ....

NRI Document :-

(छत्तीसगढ़ चिकित्सा, दंत चिकित्सा एवं भौतिक चिकित्सा (फिजियोथेरेपी) स्नातक प्रवेश नियम, 2018 के नियम 13 (स) के अनुसार)

1	**Family Tree by Tahsildar as per Rules**	
2	**Relation with candidate**	
3	**NRI Foreign Residence Proof** (Passport / Visa / Other)	
4	**NRE / NRI / Equivalent Accounts or Financial Status**	
5	**Work permit 181 days or more / Green card as per S.No.3**	
6	**Income status eligibility of sponsored to pay fee in foreign currency**	

Document :-

1	NEET प्रवेश परीक्षा का प्रवेश पत्र	
2	NEET प्रवेश परीक्षा का अंक सूची	
3	10वीं की अंक सूची	
4	12वीं की अंक सूची	
5	जाति प्रमाण पत्र (यदि लागू हो तो)	

आवेदक .... श्रेणी में स्क्रूटनी में Fit / Unfit .... पाया गया।

(स्क्रूटनी अधिकारी के हस्ताक्षर)

संचालनालय चिकित्सा शिक्षा, पुराना नर्सेस हॉस्टल, डी०के०एस० भवन परिसर रायपुर, (छ०ग०)

चिकित्सा स्नातक (MBBS) पाठ्यक्रम में N.R.I. कोटे हेतु आवश्यक दस्तावेज

1. 10वीं की अंक सूची
2. 12वीं की अंक सूची
3. एमबीबीएस प्रवेश परीक्षा (NEET) का प्रवेश पत्र
4. एमबीबीएस प्रवेश परीक्षा (NEET) का अंक सूची
5. जाति प्रमाण पत्र (यदि लागू हो तो)

N.R.I. से संबंधित दस्तावेज हेतु देखें छत्तीसगढ़ चिकित्सा, दंत चिकित्सा एवं भौतिक चिकित्सा (फिजियोथैरेपी) स्नातक प्रवेश नियम–2018 के नियम 13 का उपनियम (स) **(संबंधित पेज संलग्न है)।**

संलग्न :–

1. **छत्तीसगढ़ चिकित्सा, दंत चिकित्सा एवं भौतिक चिकित्सा (फिजियोथैरेपी) स्नातक प्रवेश नियम–2018 संबंधित नियम 13 के (03 पेज) आवश्यक होने पर पूरे नियम का वेबसाईट पर अवलोकन करें।**

2. **N.R.I. अधिसूचना दिनांक 30 जुलाई 2017 (04 पेज)**

3. **माननीय सर्वोच्च न्यायालय आदेश WP(C) 689 / 2017 (07 पेज)**

Scanned by CamScanner

11. प्रवेश की निर्धारित अंतिम तिथि पश्चात् एमबीबीएस/बीडीएस पाठ्यक्रम के मध्य अवधि में सीट परित्याग करने हेतु अर्थदण्ड बंधपत्र :– द्वितीय काउंसिलिंग के प्रवेश की अंतिम तिथि/अंतिम आबंटन के प्रवेश उपरान्त उपरोक्त विवरणिका में उल्लेखित नियमानुसार सीट के परित्याग पर एमबीबीएस पाठ्यक्रम के माध्य से सीट का परित्याग करने की स्थिति में क्षतिपूर्ति राशि का भुगतान अनारक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी के लिए राशि रूपये 25,00,000/– (रूपये पच्चीस लाख मात्र) एवं आरक्षित श्रेणी की अभ्यर्थी के लिए राशि रूपये 20,00,000/– (रूपये बीस लाख मात्र) होगी।

बीडीएस पाठ्यक्रम के मध्य से सीट का परित्याग करने की स्थिति में क्षतिपूर्ति राशि का भुगतान अनारक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी के लिए राशि रूपये 5,00,000/– (रूपये पांच लाख मात्र) एवं आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी के लिए राशि रूपये 3,00,000/– (रूपये तीन लाख मात्र) होगी।

विशेष परिस्थिति में यदि पाठ्यकम के दौरान कोई पूर्व में पात्र मेडिकली फीट छात्र यदि मेडिकली अनफीट (Medically Unfit) हो जाता है जिसे राज्य मेडिकल बोर्ड द्वारा चिकित्सा पाठ्यकम हेतु अनफीट बताया जाता है तो बंधपत्र (बॉण्ड) राशि में छूट शासन द्वारा दी जा सकेगी।

12. प्रवेश रद्द करना :– यदि यह पाया जाए कि कोई अभ्यर्थी किसी महाविद्यालय में झूठी/गलत सूचना देकर या सुसंगत तथ्यों को छिपाकर प्रवेश लेने में सफल हो गया है या प्रवेश के पश्चात् किसी भी समय यह पाया जाए कि अभ्यर्थी को किसी गलती या चूक वश प्रवेश मिल गया है, तो अभ्यर्थी को दिया गया प्रवेश महाविद्यालय प्रमुख द्वारा उसके अध्ययन काल के दौरान स्वतः बिना किसी सूचना के रद्द किया जा सकेगा। संस्था प्रमुख के निर्णय से असंतुष्ट होने पर कार्यालय संचालक चिकित्सा शिक्षा में अपील कर सकेंगे। प्रवेश संबंधी किसी भी विवाद या शंका की स्थिति में, अपीलीय अधिकारी संचालक, चिकित्सा शिक्षा, छत्तीसगढ़ का निर्णय अंतिम एवं सभी संबंधित लोगों पर बंधनकारी होगा।

13. अप्रवासी भारतीय नियतांश हेतु पात्रता एवं नियम जानकारी :–

(अ) **पात्रता :** केवल उसी अभ्यर्थी को प्रवेश हेतु पात्रता होगी जो भारत का नागरिक हो, छत्तीसगढ़ का वास्तविक निवासी हो अथवा राज्य के बाहर का निवासी हो और जिसने परीक्षा वर्ष के 31 दिसम्बर को न्यूनतम 17 वर्ष की आयु पूर्ण करता हो

तथा

जिसने छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्ड़ल की बारहवीं कक्षा की परीक्षा या छत्तीसगढ़ शासन द्वारा सम्यक रूप से मान्यता प्राप्त अन्य राज्यों के माध्यमिक शिक्षा मण्डलों की समकक्ष परीक्षा अंग्रेजी, भौतिकी, रसायन एवं जीव विज्ञान/जैव–प्रौद्योगिकी विषयों में उत्तीर्ण की हो तथा विषय भौतिकी, रसायन एवं जीव विज्ञान/जैव–प्रौद्योगिकी में अनारक्षित श्रेणी में कुल अंक न्यूनतम 50 प्रतिशत तथा आरक्षित श्रेणी में कुल अंक न्यूनतम 40 प्रतिशत अर्जित किए हों

Scanned by CamScanner

तथा

चिकित्सा एवं दंत चिकित्सा पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु जिसने प्रवेश परीक्षा (NEET नियम 02 (क) (ख) के अनुरूप) में अनारक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी के लिये न्यूनतम 50 प्रतिशतमक (Percentile), आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी के लिये न्यूनतम 40 प्रतिशतमक (Percentile) तथा अनारक्षित श्रेणी के दिव्यांगजन संवर्ग के अभ्यर्थी के लिये 45 प्रतिशतमक (Percentile) अंक अर्जित किये हों अथवा NEET प्रवेश परीक्षा द्वारा निर्धारित श्रेणीवार न्यूनतम अर्हता अंक, जो भी न्यूनतम होगा वह मान्य किया जायेगा। (भौतिक चिकित्सा पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु कोई न्यूनतम अर्हताकारी अंक नहीं होंगे) यदि NEET के समस्त श्रेणी/किसी श्रेणी में प्रतिशतमक (Percentile) में केन्द्र शासन द्वारा कमी की जाती है तो वह मान्य होगी।

(ब) अप्रवासी भारतीय नियतांश में प्रवेश की अंतिम तिथि, आरक्षण एवं शुल्क :– छ.ग. राजपत्र अधिसूचना क्रमांक एफ 21–10/2017/नौ/55–4 प्रकाशन क्रमांक 279 दिनांक 03 जुलाई 2017 के अनुसार प्रत्येक निजी महाविद्यालय की 15 प्रतिशत अप्रवासी भारतीय नियतांश की सीटों में संस्थावार प्रत्येक संस्था की सीटों में अनुसूचित जनजाति के लिये 32 प्रतिशत, अनुसूचित जाति के लिये 12 प्रतिशत और अन्य पिछड़ा वर्ग (क्रीमीलेयर को छोड़कर) के लिये 14 प्रतिशत सीटें आरक्षित रहेंगी।

शुल्क :– अप्रवासी भारतीय श्रेणी से प्रवेशित विद्यार्थियों को विदेश मुद्रा में भुगतान करना होगा।

अप्रवासी भारतीय नियतांश में प्रवेश की अंतिम तिथि :– प्रत्येक निजी व्यावसायिक निजी महाविद्यालय, प्रवेश की अंतिम तिथि के 10 दिन के पूर्व अप्रवासी भारतीय नियतांश में अभ्यर्थियों को प्रवेश देगा, जो कि अप्रवासी भारतीय नियतांश की अंतिम तिथि होगी।

(स) अप्रवासी भारतीय नियतांश के लाभ हेतु पात्रता एवं दस्तावेज :–

1. अप्रवासी भारतीय प्रायोजक का अभ्यर्थी से अभ्यर्थी की पीढ़ी अथवा दो पीढ़ी पहले तक में माता या पिता पक्ष से रक्त संबंध की पुष्टि करता हो (जैसे : संबंध पिता, माता, भाई, बहन, भाई बहन की संतान, चाचा, चाचा की संतान, मामा, मामा की संतान, मौसी, मौसी की संतान, बुआ, बुआ की संतान, नाना, नानी, दादा, दादी से रिश्ता) इस हेतु वंशावली वृक्ष प्रमाण पत्र जो कि तहसीलदार या उससे उच्च अधिकारी कार्यालय द्वारा जारी किया गया हो।

3. विदेश में निवास का प्रमाण हेतु वहाँ का ग्रीन कार्ड/कॉपी ऑफ पासपोर्ट वैध वीसा सहित/नागरिकता संबंधित सक्षम दस्तावेज/181 दिन अथवा अधिक का कार्य प्रमाण हेतु दस्तावेज/अन्य कोई सक्षम दस्तावेज जो इस बिन्दु की पूर्ति करता हो।

Scanned by CamScanner

3. एन.आर.ई./एन.आर.आई./समकक्ष बैंक एकाउण्ट की स्टेटमेन्ट कॉपी।

4. वर्क परमिट जो कि न्यूनतम 181 दिन अथवा अधिक का हो/ग्रीन कार्ड-धारी की कॉपी जो कि बिन्दु क्र. 02 के अनुसार पूर्ति करता हो।

5. प्रायोजक की आय, सम्बंधित पाठ्यक्रम के शुल्क देने योग्य हो तथा शुल्क का भुगतान विदेशी मुद्रा में किया जाना होगा।

उपरोक्त के अतिरिक्त नियम 7 (xxi) में उल्लेखित दस्तावेजों की भी आपूर्ति करना होगा।

(द) अप्रवासी भारतीय नियतांश में प्रवेश की अंतिम तिथि :– प्रत्येक निजी व्यावसायिक निजी महाविद्यालय, प्रवेश की अंतिम तिथि के 10 दिन के पूर्व अप्रवासी भारतीय नियतांश में अभ्यर्थियों को प्रवेश देगा, जो कि अप्रवासी भारतीय नियतांश की अंतिम तिथि होगी।

14. केन्द्र शासन द्वारा अथवा भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद अथवा भारतीय दंत परिषद अथवा माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा काउंसिलिंग तिथि, प्रक्रिया, न्यूनतम अर्हकारी प्राप्तांक, शुल्क इत्यादि अन्य संबंधित जारी किये गये आदेश एवं निर्देश समयावधि में प्राप्त होने पर लागू किये जायेंगे।

15. कठिनाइयों का निराकरण :– इन नियमों से संबंधित किसी भी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न होने की स्थिति में राज्य शासन उसके निराकरण हेतु आदेश जारी कर सकेगा।

16. प्रावीण्य सूची की समाप्ति :– माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा उक्त शैक्षणिक सत्र हेतु प्रवेश की निर्धारित अंतिम तिथि पश्चात् प्रावीण्य सूची समाप्त हो जायेगी एवं रिक्त सीट/सीटें कालातीत हो जायेगी।

17. निरसन :– इन नियमों के प्रवृत्त होने की तारीख से ''छत्तीसगढ़ चिकित्सा एवं दन्त चिकित्सा स्नातक/भौतिक चिकित्सा (फिजियोथैरेपी) प्रवेश परीक्षा'' से संबंधित पूर्व के समस्त नियम निरसित हो जाएंगे तथापि उन नियमों के अन्तर्गत की गई प्रक्रिया मान्य होगी।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
आर. के. टण्डन, अपर सचिव.

Scanned by CamScanner

"बिजनेस पोस्ट के अन्तर्गत डाक शुल्क के नगद भुगतान (बिना डाक टिकट) के प्रेषण हेतु अनुमत. क्रमांक जी.2-22-छत्तीसगढ़ गजट / 38 सि. से. भिलाई, दिनांक 30-05-2001."

पंजीयन क्रमांक
"छत्तीसगढ़/दुर्ग/09/2013-2015."

छत्तीसगढ़ राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 279] रायपुर, शुक्रवार, दिनांक 7 जुलाई 2017 — आषाढ़ 16, शक 1939

चिकित्सा शिक्षा विभाग
मंत्रालय, महानदी भवन, नया रायपुर

नया रायपुर, दिनांक 3 जुलाई 2017

अधिसूचना

क्रमांक एफ 21-10/2017/नौ/55-4.—राज्य शासन एतद्द्वारा राज्य निजी दंत चिकित्सा महाविद्यालयों में अप्रवासी भारतीय नियतांश के संदर्भ में पी. ए. इनामदार बनाम महाराष्ट्र राज्य (2005) 6 एससीसी 537 के प्रकरण में भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश, जिसमें निजी व्यावसायिक महाविद्यालयों (पीपीसी) में अप्रवासी भारतीय नियतांश हेतु विहित नियमों को अनिवार्य किया गया है, के अनुपालन में निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:-

नियम

1. संक्षिप्त नाम, प्रारंभ एवं विस्तार :- (1) ये नियम निजी व्यावसायिक महाविद्यालयों में अप्रवासी भारतीय नियतांश नियम, 2017 कहलायेंगे.

(2) ये नियम 04-07-2017 से प्रवृत्त होंगे.

(3) इसका विस्तार सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में होगा.

2. प्रयोज्यता :- ये नियम स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, छत्तीसगढ़ शासन की अनुमति के पश्चात् खोले गये समस्त निजी व्यावसायिक महाविद्यालयों (पीपीसी) पर लागू होंगे.

3. परिभाषाएं :- इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,-

(क) "अप्रवासी भारतीय (संक्षेप में एन.आर.आई.)" का वही अर्थ होगा जैसा कि केन्द्र सरकार द्वारा जारी विधियों/नियमों/अधिसूचनाओं/आदेशों में परिभाषित/घोषित किया गया है.

(ख) "निजी व्यावसायिक महाविद्यालय (संक्षेप में पी.पी.सी.)" से अभिप्रेत है चिकित्सा/दंत/निर्सिंग/फि जियोथेरेपी या जिस किसी भी नाम से जाना जाता हो, जिसका संचालन निजी प्रबंधन/कंपनी/न्यास/निकाय द्वारा किया जाता हो तथा जो पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति स्वास्थ्य विज्ञान आयुष विश्वविद्यालय, रायपुर से संबद्ध हो.

(ग) "आरक्षण निति" से अभिप्रेत है अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़े वर्गों और महिलाओं हेतु समय-समय पर राज्य सरकार की आरक्षण नीति.

Scanned by CamScanner

4. **अप्रवासी भारतीयों का निजी व्यावसायिक महाविद्यालयों (पी.पी.सी.) में प्रवेश हेतु विशेष प्रावधान.–**

(1) प्रत्येक निजी व्यावसायिक महाविद्यालय (पी.पी.सी.), कुल सीटों के 15% सीटों को अप्रवासी भारतीयों (एन. आर. आई.) द्वारा एन. आर. आई. श्रेणी के बीच से उनके मेरिट के आधार पर भर सकेगा।

(2) गणना के पश्चात् अपूर्णांक को संबंधित निजी व्यावसायिक महाविद्यालय (पी.पी.सी.) के पक्ष में अगले उच्चतर अंक को पूर्णांकित किया जायेगा।

(3) एन. आर. आई. श्रेणी से प्रवेशित विद्यार्थियों को विदेशी मुद्रा में भुगतान करना होगा।

(4) प्रत्येक निजी व्यावसायिक महाविद्यालय (पी.पी.सी.), इस आशय की अग्रिम सूचना वेबसाइट एवं अन्य लोकप्रिय साधनों के माध्यम से घोषित करेगा।

(5) राज्य की आरक्षण नीति भी लागू होगी।

(6) प्रत्येक निजी व्यावसायिक महाविद्यालय (पी.पी.सी.), प्रवेश की अंतिम तिथि के 10 दिवस के पूर्व एन. आर. आई. नियतांश में विद्यार्थियों को प्रवेश देगा जो कि एन. आर. आई. श्रेणी हेतु अंतिम तिथि होगी। इस अंतिम तिथि के पश्चात् सीटों को रिक्त घोषित किया जायेगा और मुक्त श्रेणी के रूप में परिवर्तित कर दिया जायेगा।

5. **कठिनाइयों का निराकरण.–** इन नियमों के निष्पादन में कोई कठिनाई उद्भूत होने की दशा में, मामले को संचालक, चिकित्सा शिक्षा को निर्दिष्ट किया जायेगा जो छत्तीसगढ़ शासन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के सचिव के अनुमोदन के पश्चात् प्रकरण का निर्णय करेगा। संचालनालय, चिकित्सा शिक्षा (डी. एम. ई.) का निर्णय अंतिम तथा बंधनकारी होगा।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
आर. के. टण्डन, अपर सचिव.

नया रायपुर, दिनांक 3 जुलाई 2017

क्रमांक एफ 21-10/2017/नौ/55-4.— भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में इस विभाग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 3-7-2017 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
आर. के. टण्डन, अपर सचिव.

Scanned by CamScanner

Naya Raipur, the 3rd July 2017

No. F-21-10/2017/Nine/55-4.—The State Government hereby makes the following Rules for the admission into Government and Private Nursing College of the State :-

NOTIFICATION

In pursuance of the order of the Hon'ble Supreme court of India in the case of P.A. Inamdar v. State of Maharashtra, (2005) 6 SCC 537, which mandated to prescribe rules for fixing Non-Resident Indian quota in Private Professional Colleges (PPC), State Government, hereby, makes the following rules, namely:-

RULES

1. **Short title, commencement and extent.** – (1) These rules may be called the Chhattisgarh Non-Resident Indian Quota in Private Professional Colleges Rules, 2017.
(2) It shall come into force 4/7/2017 (Date)
(3) It shall extend to the whole of State of Chhattisgarh.

2. **Applicability.** – These rules shall apply to the all the Private Professional Colleges (PPC) opened after permission by the Department of Health and Family Welfare, Government of Chhattisgarh.

3. **Definitions.** - In these rules, unless the context otherwise requires,

(a) **"Non-Resident Indian (in short N.R.I.)"** shall have the same meaning as defined/declared in Laws/Rules/ Notification/Orders issued by the Central Government;

(b) **"Private Professional College (in short P.P.C.)"** means Medical/Dental/ Nursing/ Physiotherapy or by whatever name called, run by a private management/company/trust/body and affiliated to Pt. Deen Dayal Upadhyah Memorial Health Sciences Ayush University, Raipur;

(c) **"Reservation Policy"** means the reservation policy of the State Government for Scheduled Caste, Scheduled Tribe, Other-Backward Classes and Women, from time to time.

Scanned by CamScanner

4. Special provision for admission in private professional college (PPC) of non-resident Indians.-

(1) Each Private Professional College (PPC) may fill 15% seats of the total seats by Non-Resident Indian (NRI) on basis of their merit amongst NRI category.

(2) Fraction after calculation shall be rounded off to the next higher numeral in the favor of the concerned Private Professional College (PPC).

(3) Student admitted against NRI category shall have to pay in foreign currency.

(4) Each Private Professional College (PPC) shall declare in advance in website and other publicity means to this effect.

(5) Reservation policy of the State shall also be applicable.

(6) Each Private Professional College (PPC) shall admit the student in NRI quota before 10 days of the last date of admission, which is closing date for NRI category. After this closing date the seats will be declared empty and shall be converted as open category.

5. Removal of difficulties. - In case any difficulty arises in executing these rules, the matter shall be referred to Director, Medical Education who shall decide the case after approval by Secretary to the Government of Chhattisgarh, Department of Health and Family Welfare. The Decision of Directorate of Medical Education (DME) shall be final and binding.

By order and in the name of the Governor of Chhattisgarh,
R. K. TANDAN, Additional Secretary.

संचालक, मुद्रण तथा लेखन सामग्री, छत्तीसगढ़ द्वारा शासकीय मुद्रणालय, रायपुर से मुद्रित तथा प्रकाशित - 2017.

Scanned by CamScanner

ITEM NO.8 COURT NO.2 SECTION

S U P R E M E C O U R T O F I N D I A
RECORD OF PROCEEDINGS

Writ Petition (Civil) No.689/2017

CONSORTIUM OF DEEMED UNIVERSITIES IN KARNATAKA (CODEUNIK) & ANR. Petitioner(s)

VERSUS

UNION OF INDIA & ORS. Respondent(s)

Date : 22-08-2017 This petition was called on for hearing today.

CORAM :
HON'BLE MR. JUSTICE DIPAK MISRA
HON'BLE MR. JUSTICE KURIAN JOSEPH
HON'BLE MR. JUSTICE AMITAVA ROY

For Petitioner(s) Dr. Rajeev Dhawan, Sr. Adv.
Ms. Farah Fathima, Adv.
Mr. Mahesh Thakur, AOR

For Respondent(s) Mr. P.S. Narasimha, ASG
Ms. Arunima Dwivedi, Adv.

Mr. Gaurav Sharma, Adv.
Ms. Amandeep Kaur, Adv.
Mr. Prateek Bhatia, Adv.
Mr. Dhawal Mohan, Adv.
Ms. Deepeika Kalia, Adv.

UPON hearing the counsel the Court made the following
O R D E R

Heard Dr. Rajeev Dhawan, learned senior counsel along with Ms. Farah Fathima, learned counsel for the petitioners, Mr. P.S. Narasimha, learned Additional Solicitor General for the Union of India and Mr. Gaurav Sharma, learned counsel for the Medical Council of India.

Signature Not Verified
Digitally signed by
CHETAN KUMAR
Date: 2017.08.22
17:19:54 IST
Reason:

Scanned by CamScanner

The matter was listed today for consideration of the filling up of NRI quota seats. Dr. Rajeev Dhawan, learned senior counsel appearing for the petitioners has drawn our attention to the letter circulars dated 13th July, 2017 and 28th July, 2017, issued by the Directorate General of Health Services. According to him, the said communications create an anomalous situation as a consequence of which the description of NRI has become extremely difficult. He has drawn our attention to a passage from *P.A. Inamdar* vs. *State of Maharashtra* (2005) 6 SCC 537, wherein the Constitution Bench has held thus:-

> "Here itself we are inclined to deal with the question as to seats allocated for Non-Resident Indians ('NRI', for short) or NRI seats. It is common knowledge that some of the institutions grant admissions to a certain number of students under such quota by charging a higher amount of fee. In fact, the term 'NRI' in relation to admissions is a misnomer. By and large, we have noticed in cases after cases coming to this Court, neither the students who get admissions under this category nor their parents are NRIs. In effect and reality, under this category, less meritorious students, but who can afford to bring more money, get admission. During the course of hearing, it was pointed out that a limited number of such seats should be made available as the money brought by such students admitted against NRI quota enables the educational institutions to strengthen their level of education and also to enlarge their education activities. It was also pointed out that people of Indian origin, who have migrated to other countries, have a desire to bring back their children to their own country as they not only get education but also get reunited with Indian cultural ethos by virtue of being here. They also wish the money which they would be spending elsewhere on education of their children should rather reach their own motherland. A limited reservation of such seats, not exceeding 15%, in our opinion, may be made available to NRIs depending on the discretion of the management subject to two conditions. First, such seats should be

Scanned by CamScanner

> utilized bona fide by the NRIs only and for their children or wards. Secondly, within this quota, the merit should not be given a complete go-by. The amount of money, in whatever form collected from such NRIs, should be utilized for benefiting students such as from economically weaker sections of the society, whom, on well defined criteria, the educational institution may admit on subsidized payment of their fee. To prevent misutilisation of such quota or any malpractice referable to NRI quota seats, suitable legislation or regulation needs to be framed. So long as the State does not do it, it will be for the Committees constituted pursuant to the direction in Islamic Academy to regulate."

Submission of learned senior counsel is that the word "wards" used in the said paragraph should be understood in a broader compass and be applied in a wider spectrum. He has also drawn our attention to the decision rendered in _Ruchin Bharat Patel_ vs. _Parents' Association for the M/D Students and Others_ in I.A. Nos.9-10 & 11-12 in Civil Appeal No.4480 of 2006, wherein this Court after referring to various aspects, has held thus:-

> "Normally, the admissions to the medical colleges should have been finally concluded before 30th September. This year's admission is long overdue and if this 15% of the students are not allowed to be admitted under NRI quota there may be financial loss to these college and the seats shall also go waste. In view of the peculiar circumstances of the case, for this year we are taking a practical view of the situation and we feel that the students to these colleges may be admitted under the following directions and we make it clear that this is exclusively for this year only as a one time arrangement because of the peculiar circumstances of the case:-
>
> "1) The students be admitted as NRIs in NRI quota as against 15%: At least one of the parents of such students should be an NRI and shall ordinarily be residing abroad as an NRI;

Scanned by CamScanner

> 2) The person who sponsors the student for admission should be a first degree relation of the student and should be ordinarily residing abroad as an NRI;
>
> 3) If the student has no parents or near relatives or taken as a ward by some other nearest relative such students also may be considered for admission provided the guardian has *bona fide* treated the student as a ward and such guardian shall file an affidavit indicating the interest shown in the affairs of the student and also his relationship with the student and such person also should be an NRI, and ordinarily residing abroad."

> Even if these parameters are applied and sufficient number of students are not available for this year as against admission to 15% quota, the colleges would be at liberty to fill up the remaining seats from the State list and if the number of candidates admitted as against 15% quota is very much less and the colleges are unable to raise sufficient funds, they would be at liberty to approach the Committee to restructure the fees."

In this regard our attention has been invited to a Division Bench decision of the High Court of Madhya Pradesh rendered in *Anshul Tomar* vs. *State of M.P. and Others* (2008) 2 MPLJ 450, wherein the High Court after referring to the authority in *Ruchin Bharat Patel (supra)* has referred to a set of guidelines drafted by Pravesh Niyantran Samiti (Medical Education), Mumbai. The said guidelines read as follows:-

> "Based upon the decision of Hon'ble Supreme Court referred herein above dated 13th November, 2006 has laid down a criteria for admission in NRI quota, the Samiti decides and resolves the criteria for granting the admissions in NRI quota, as under :
>
> 1) If the mother or father of student is NRI and residing abroad ordinarily, then, either of the situations so held will be

considered to be proper.

2) If the first degree relation of the student is NRI and residing abroad ordinarily, then in such circumstances also, qua this year, should be considered eligible. It is natural that such definition would include the real brother and sister over and above the mother-father of the first degree relation.

3) As per the definition revised by the Hon'ble Apex Court, interpretation of clause 3 thereof as not made limited but if made in a broad perspective, then, it is clear that the person who wanted to consider such student as ward (Palya), then, he be considered to be proper subject to compliance of the following conditions :

a) He should be the nearest relation.

b) In the definition of the nearest relation, committee has considered following relative having blood relations.

i) Real brother and sister of father i.e. real uncle and real aunt.

ii) Real brother and sister of mother i.e. real maternal uncle and maternal aunt.

iii) Father and mother of father i.e. grand father and grand mother.

iv) Father and mother of mother i.e. maternal grand father and maternal grand mother.

v) First degree-paternal and maternal cousins.

vi) Such person should be NRI.

c) Such persons should ordinarily be residing abroad.

d) Such person should have looked after such student as the guardian of the student and evidence to that effect

Scanned by CamScanner

> must have been produced before the committee by such person.
>
> e) There should be affidavit with aforesaid fact.
>
> The Samiti directs the AMUPMDC and the Institute/Colleges to follow the above guidelines strictly while granting the admissions in NRI quota in respect of the First Year Health Science course for the academic year 2007-2008 and onwards."

After reproducing the said guidelines, the Division Bench of the High Court of Madhya Pradesh has held as under:-

> "In view of the aforesaid, we are inclined to think that the term 'ward' has been given a broader meaning in *Ruchin Bharat Patel* (supra). We have reproduced the guidelines of Mumbai Committee to show that they are in consonance with the guidelines set forth by *Ruchin Bharat Patel* (Supra). Nothing has been placed on record to show that NRIs have acted in a mala fide manner.
>
> Regard being had to the amplified meaning of the term 'ward' and in the absence of any mala fide and further on the foundation that the merit has not been completely given a go-bye, we are inclined to quash the decision of the Committee and hold that the admission of the petitioners under the NRI quota are valid and the petitioners are entitled to prosecute their studies under the said College."

On being asked, Mr. P.S. Narasimha, learned Additional Solicitor General has submitted that this Court may think of making any kind of interim arrangement subject to final adjudication of the controversy so that the same does not arise in future.

As presently advised, the principles set out in *Anshul Tomar (supra)*, shall be followed this year for the purpose of filling up of 15% NRI quota. Be it clarified, the

Scanned by CamScanner

NRI quota shall include Overseas Citizens of India (OCI) and Persons of Indian Origin (PIO). The counseling shall be held and finalised by 31st August, 2017, in respect of this quota and, if for some reason or other, the counseling is not concluded by that date, the same shall be completed by 4th September, 2017. It needs no special emphasis to state that the present order is only applicable to the deemed universities and no other category of institution.

Let the matter be set out for final disposal on 23rd November, 2017.

(Chetan Kumar)
Court Master

(H.S. Parasher)
Assistant Registrar

Scanned by CamScanner